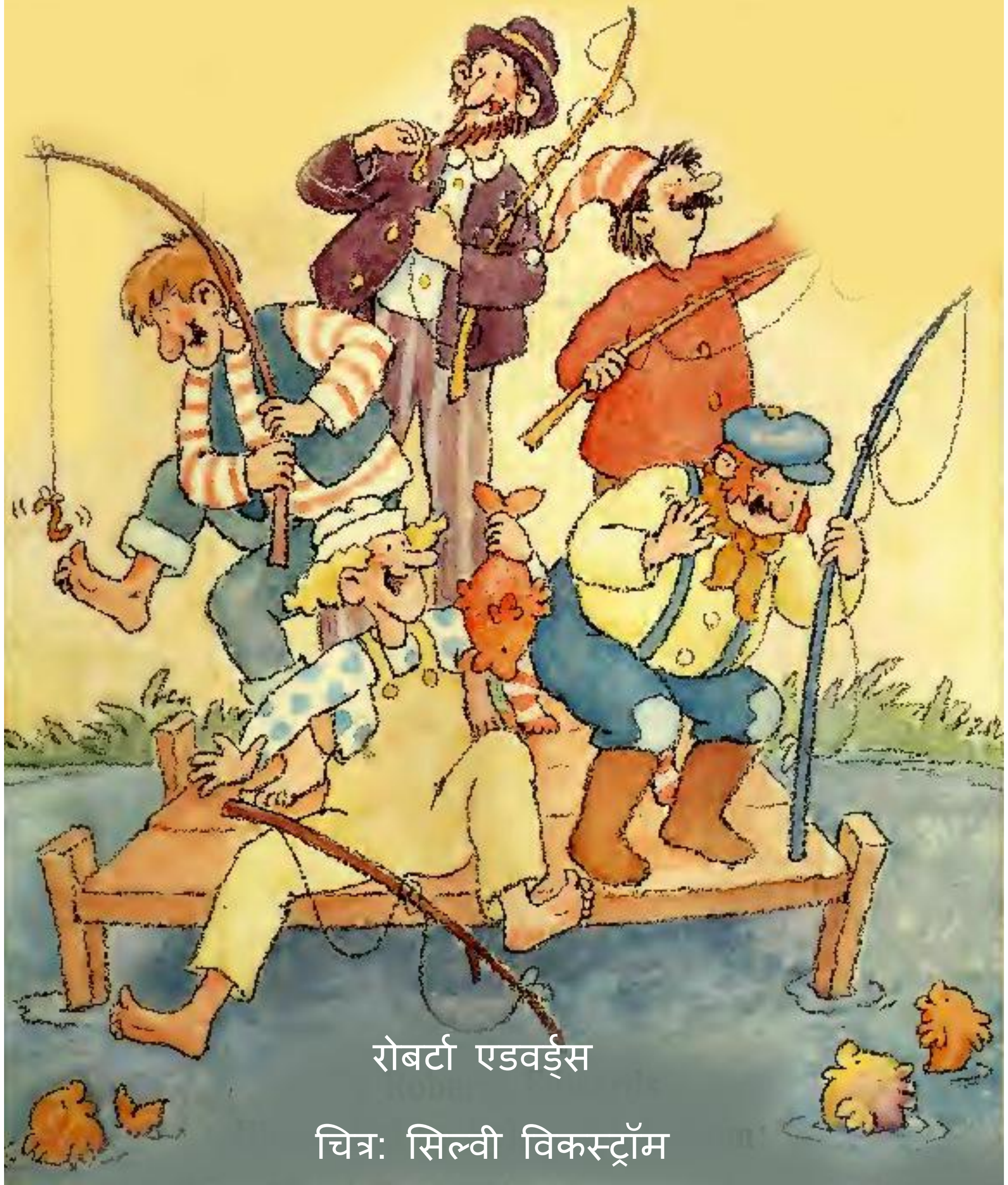
पाँच मूर्ख मछुआरे



रोबर्टा एडवर्ड्स

चित्र: सिल्वी विकस्ट्रॉम



पाँच मूर्ख मछुआरे

रोबर्टा एडवर्ड्स

चित्र: सिल्वी विकस्ट्रॉम





एक दिन

पाँच मछुआरे

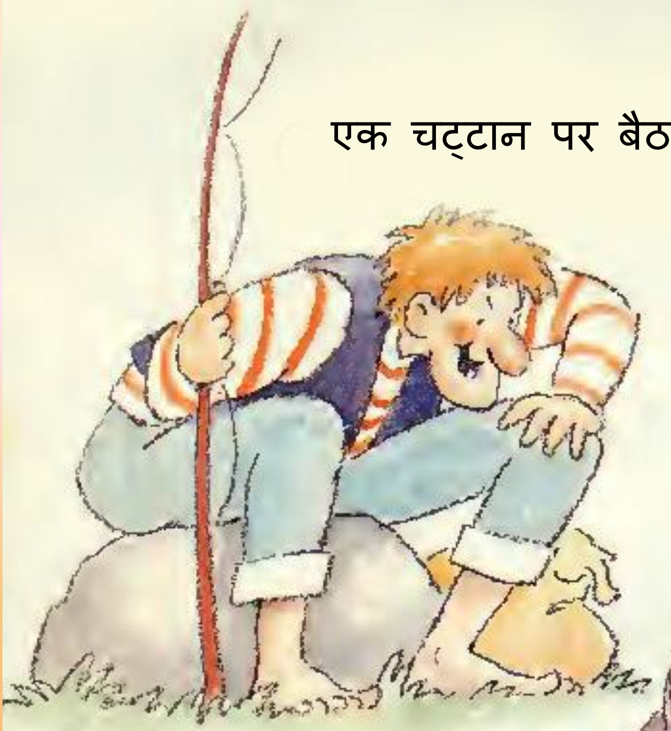
मछली पकड़ने गए.

एक, दो, तीन, चार, पाँच!

वे नदी की ओर दौड़े.

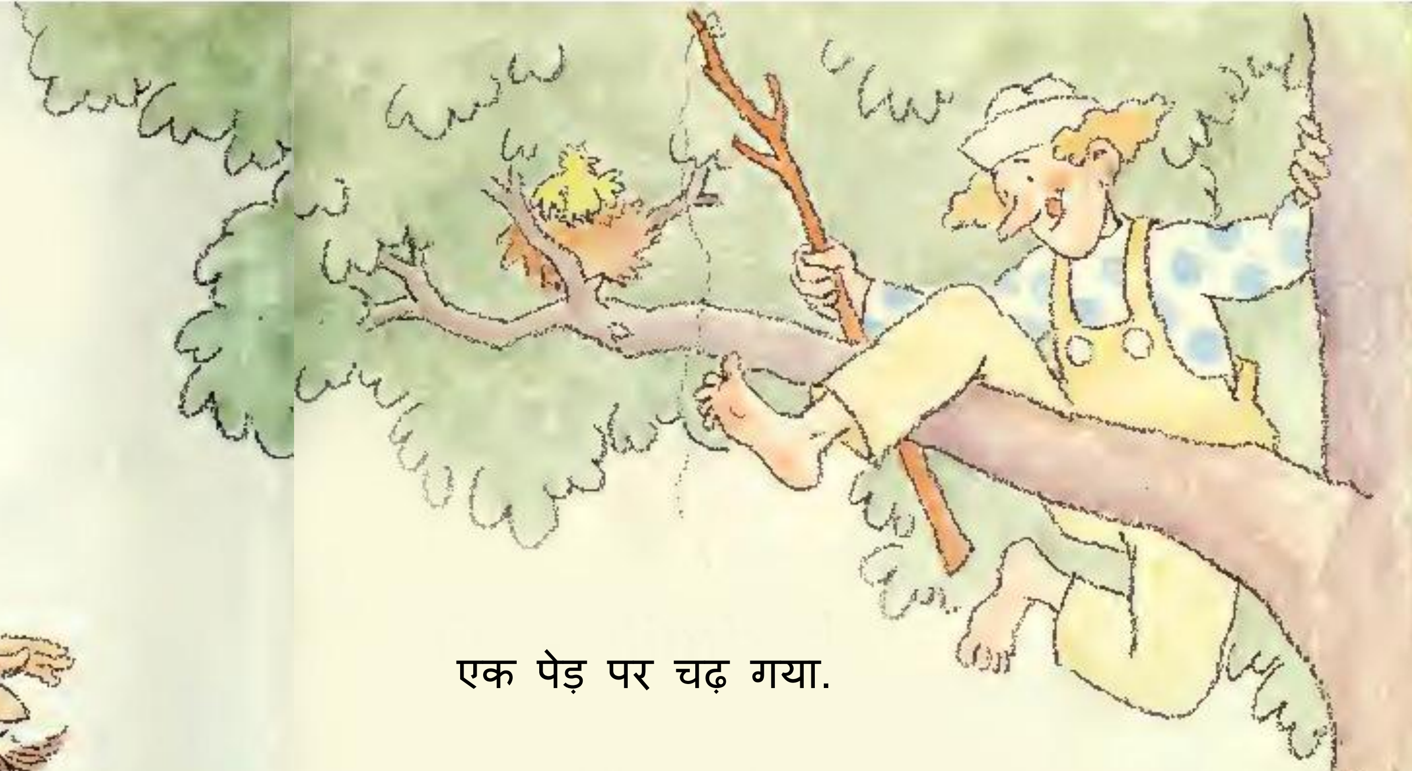


एक चट्टान पर बैठ गया.

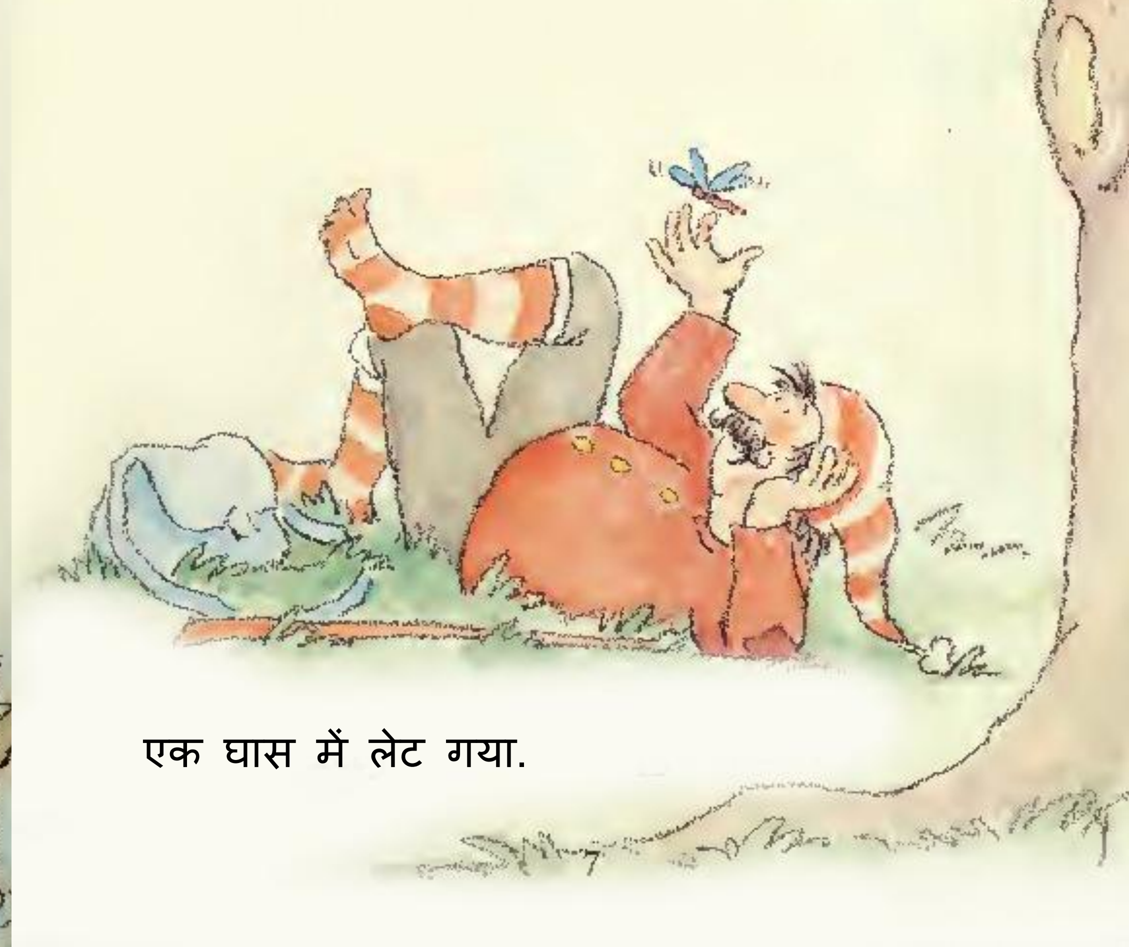


एक घाट पर खड़ा रहा.





एक पेड़ पर चढ़ गया.



एक घास में लेट गया.



पांचवा मछुआरा

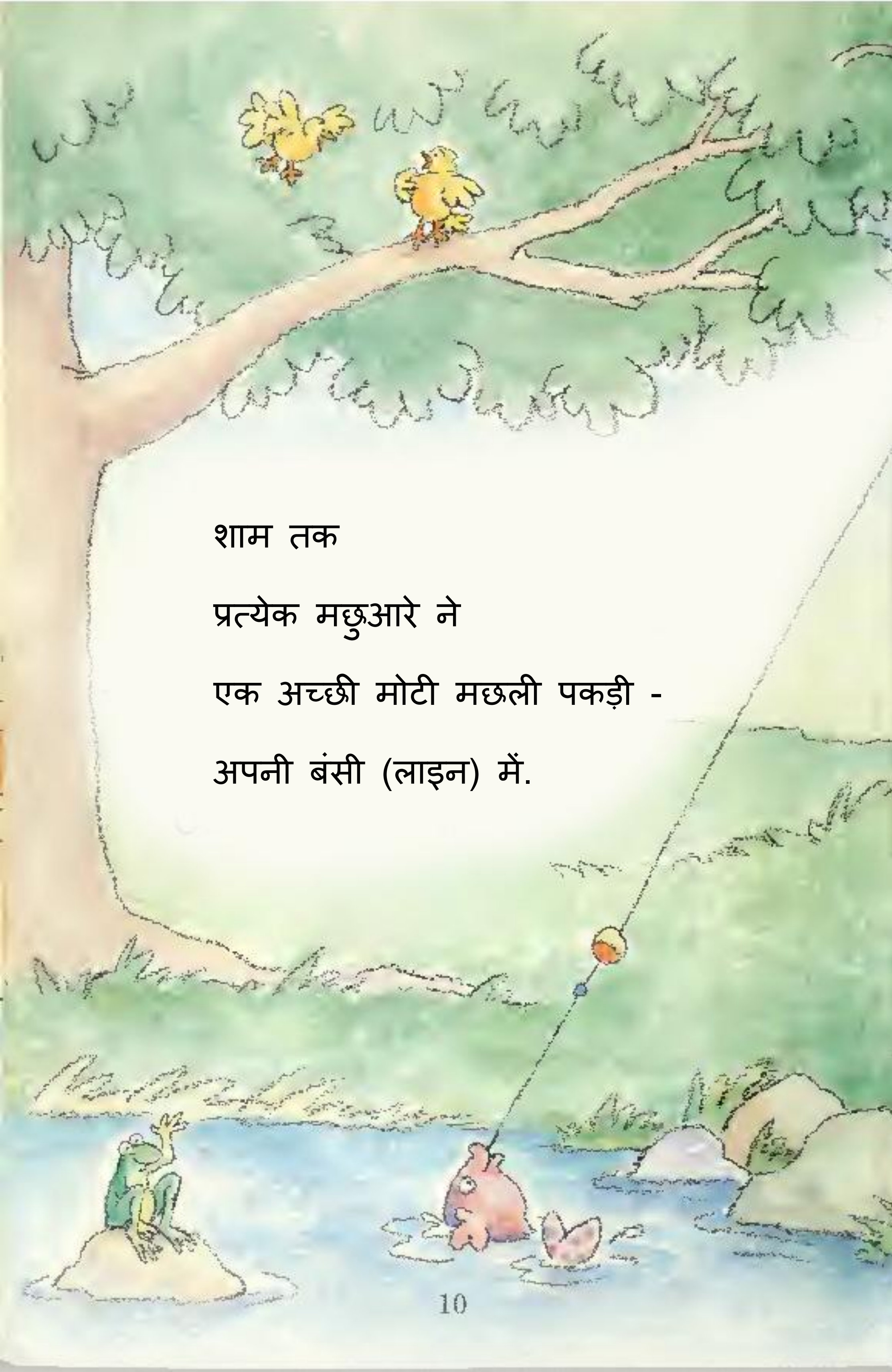
नाव में चढ़ गया.

"हेलो, मछलियों!"

वो चिल्लाया.

"हम जल्द ही तुम्हें पकड़ने आ रहे हैं!"





शाम तक

प्रत्येक मछुआरे ने

एक अच्छी मोटी मछली पकड़ी -

अपनी बंसी (लाइन) में.



"कितना बढ़िया खाना बनेगा!"

एक मछुआरे ने कहा.

"चलो, अब घर चलते हैं."





"पहले हमें गिनना होगा कि

क्या हम सब-के-सब यहाँ हैं,"

दूसरे ने कहा.

"हो सकता है हममें से कोई

पानी में गिर गया हो?"

फिर वह गिनने लगा.

"एक, दो, तीन, चार.

मुझे तो सिर्फ चार

मछुआरे ही दिखाई दे रहे हैं.





अरे नहीं!

हममें से एक लापता है!"



"ऐसा हो ही नहीं सकता!"

दूसरे मछुआरे ने कहा.

"शायद तुमने गलत गिनती की हो."

फिर दूसरा गिनने लगा.

"एक, दो, तीन, चार.



मुझे भी चार मछुआरे दिखाई दे रहे हैं!

यह सच है.

हममें से एक डूब गया है!"

सभी मछुआरे

एक-दूसरे के गले लिपटे.

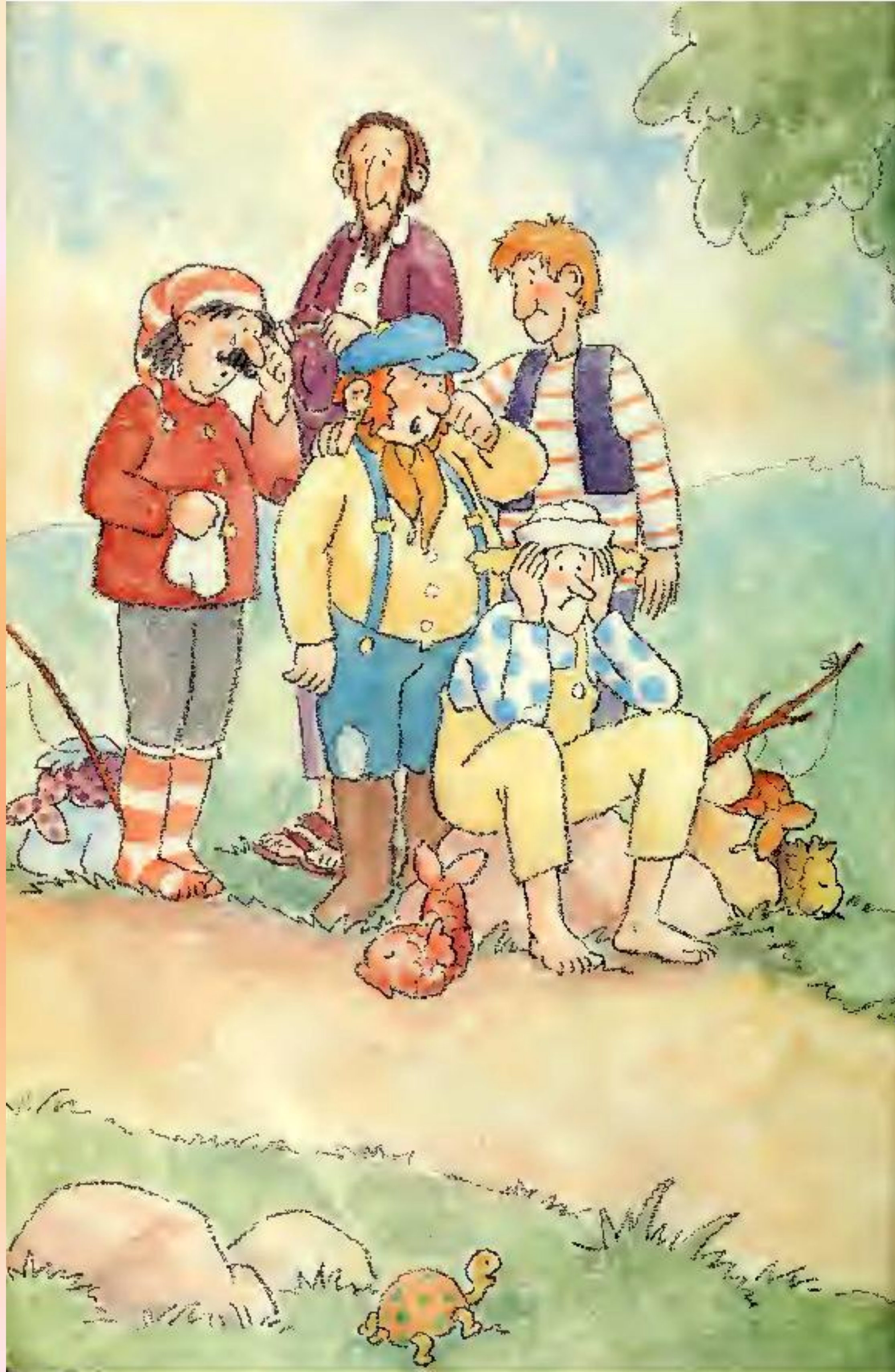
वे खूब रोए.

"हमारा बेचारा दोस्त!

उसके बिना हम क्या करेंगे?"







तभी

एक छोटी लड़की वहाँ से गुज़री,

वह भी मछली पकड़ने जा रही थी.

"तुम इतने उदास क्यों हो?"

उसने उनसे पूछा.



"पहले हम पाँच हुआ करते थे.

लेकिन हम में से एक डूब गया है,"

एक मछुआरे ने कहा.

"देखो, अब हम सिर्फ़ चार ही बचे हैं!

एक, दो, तीन, चार,"

उसने फिर से गिनती की.







खैर, तुरंत ही

छोटी लड़की को

उनकी गलती समझ में आ गई.

गिनती करने वाला मछुआरा

खुद को गिनना भूल गया था.

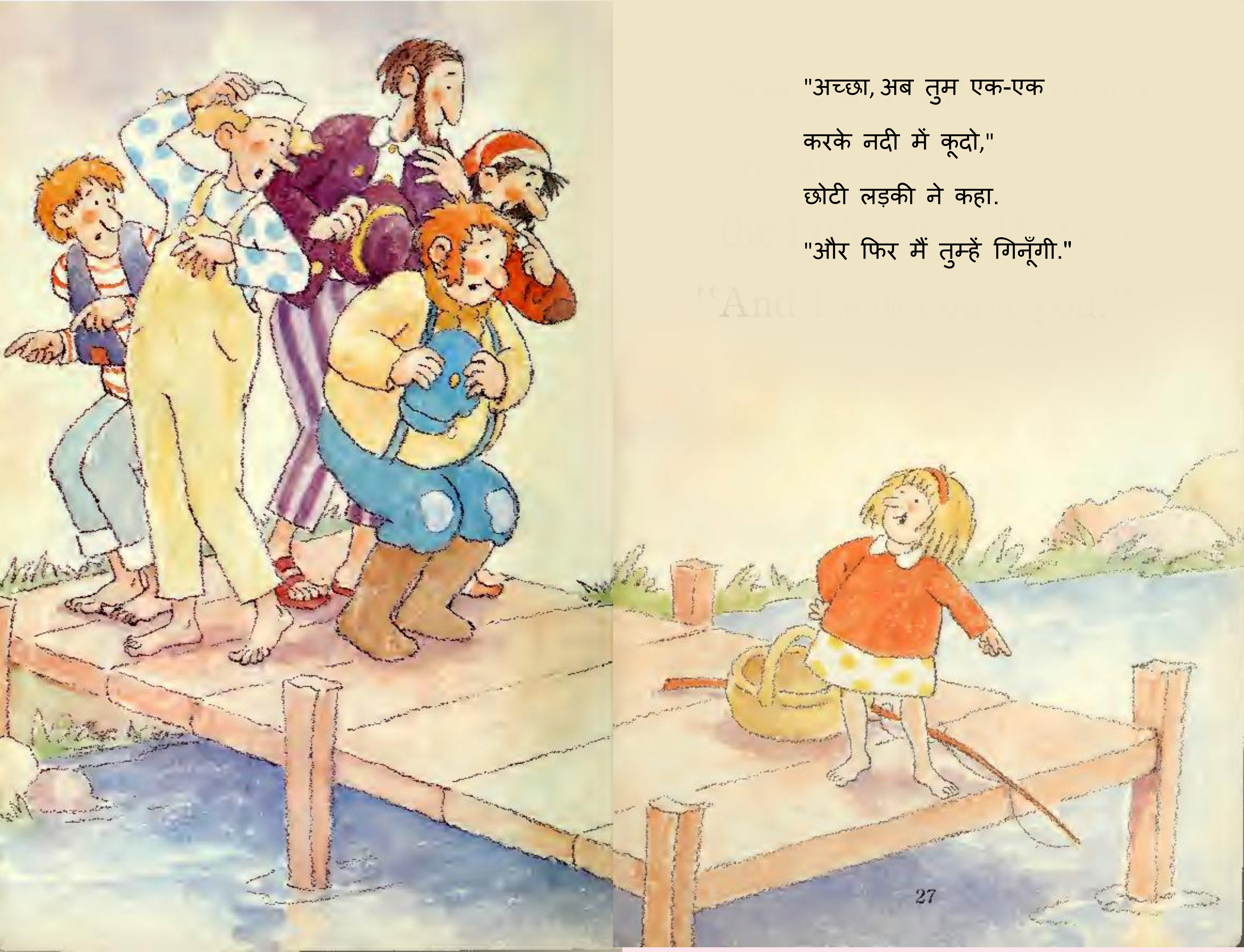
"अगर मुझे तुम्हारा दोस्त मिल जाए

तो क्या तुम मुझे अपनी मछली दोगे?"

लड़की ने पूछा.

"हाँ! हाँ!" उन्होंने ख़ुशी-ख़ुशी कहा.





"अच्छा, अब तुम एक-एक

करके नदी में कूदो,"

छोटी लड़की ने कहा.

"और फिर मैं तुम्हें गिनूँगी."

मछुआरों ने वैसा ही किया

जैसा उन्हें बताया गया था.

छपाक!

वे एक-एक करके नदी में कूदे.

एक!

दो!



तीन!

चार!

पाँच!"



"पाँच!"

मछुआरे चिल्लाए.

"हमारा खोया हुआ दोस्त मिल गया!

शुक्र है वह डूबा नहीं था!"





मछुआरों ने

छोटी लड़की को

अपनी सारी अच्छी मोटी

मछलियाँ दे दीं



वे बहुत गीले थे

वे बहुत भूखे थे

उन्होंने कोई मछली नहीं खाई

फिर वे एक-साथ घर लौटे

पांच मूर्ख मछुआरे!